सुविधा: पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को मंजूरी मिली

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को बहुस्तरीय संपर्क प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को मंजूरी दे दी है। इसमें योजनाओं के क्रियान्वयन, निगरानी और समर्थन से जुड़े तंत्र शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 अक्तूबर को लॉजिस्टिक लागत को घटाने और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाले बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए 100 लाख करोड़ रुपये के राष्ट्रीय मास्टर प्लान की शुरुआत की थी।

पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत लॉजिस्टिक लागत में कटौती, कार्गो प्रबंधन क्षमता में वृद्धि और माल उतारने या लादने में लगने वाले समय को कम करने का लक्ष्य तय किया गया है। इस योजना के लिए कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में 18 मंत्रालयों के सचिवों को सदस्य के रूप में शामिल करके सचिवों के अधिकार प्राप्त समूह यानि ईजीओएस का गठन भी किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के नेटवर्क योजना प्रभाग के प्रमुखों को शामिल कर एक बहुस्तरीय नेटवर्क योजना समूह यानि एनपीजी का गठन किया जाएगा। एनपीजी को वाणिज्य, उद्योग मंत्रालय के लॉजिस्टिक प्रभाग में स्थित एक तकनीकी सहायता इकाई यानि टीएसयू से मदद मिलेगी। टीएसयू में बुनियादी ढांचा क्षेत्रों, जैसे विमानन, सामुद्रिक, सार्वजनिक परिवहन, रेल, सड़क और राजमार्ग, बंदरगाह, बिजली, पाइपलाइन, जीआईएस, आईसीटी, वित्त या बाजार पीपीपी, लॉजिस्टिक, डेटा विश्लेषण क्षेत्रों के विशेषज्ञ होंगे।

जेवर एयरपोर्ट से जुड़ेंगे टाउनशिप, ट्रांसपोर्ट हब

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में इंटीग्रेटेड टाउनशिप, मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब व तीसरा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई गति शक्ति योजना से जुड़ गए हैं। इन तीनों परियोजनाओं को जेवर एयरपोर्ट से जोड़ने का खाका तैयार किया गया है। ये तीनों प्रोजेक्ट आपस में इंटर कनेक्टेड होंगे। इनको एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए प्रमुख विकल्प लॉजिस्टिक हब से जीटी रोड को जोड़ने का है। इसके लिए लॉजिस्टिक हब के पास जीटी रोड पर करीब 2.5 किलोमीटर रास्ते को चौड़ा किया जाएगा। मौजूदा दो लेन से छह लेन तक बनाने का प्रस्ताव है। देश की सबसे स्मार्ट टाउनशिप में से एक इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप को जेवर एयरपोर्ट से जोड़ा जाना। ऐसा होने पर मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब व मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब भी जेवर एयरपोर्ट से जुड़ जाएंगे।